A. B. M. COLLEGE
GOLMURI - JSR - 3

MODEL SET - 3
ECONOMICS

OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

1. आर्थिक समस्या किससे सम्बंधित है?
(To which factor, economic Problem is basically related to

2. उत्पादन सम्भावना वक्र (PPC) क्या है?
(what is Production Possibility Curve)?

3. चयन की समस्या के दो कारण बताएँ?
(Mention two reasons of Problems of choice.)

4. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था क्या है?
(what is Capitalist Economy)?

5. अर्थव्यवस्था की दो केन्द्रीय समस्या को बताएँ?
(Write any two Central Problems of an Economy)?

6. "क्या उत्पादित किया जाय" - का क्या अर्थ है?
(What is meaning of the problem "What to Produce")?

7. आर्थिक समस्या के उत्पन्न होने के कारण है?
(Economic Problem arise due to -)

8. उत्पादन संभावना वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर क्यों होता है?
(why does the PPC become Concave to the origin)?

SHORT TYPE QUESTIONS

9. किसके लिए उत्पादन किया जाए" की समस्या क्या है?
What is the meaning of the problem "whom to Produce

10. उत्पादन सम्भावना वक्र (PPC) की मान्यताओं को बताइँ।
Mention the assumptions of PPC.

11. उत्पादन संभावना वक्र के खिसकाव के कारणों को बताइँ?
Mention the reasons of shifting in Production Possibility Curve)?

12. सीमांत अवसर लागत को परिभाषित करे?
(Define Marginal opportunity Cost)?

13. मिश्रित अर्थव्यवस्था क्या है?
(What is Mixed Economy)

LONG TYPE QUESTIONS

14. बाजार अर्थव्यवस्था तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था में अन्तर करें
Distinguish between a market economy and a Socialist economy.

15. PPC नतोदर क्यों होता है? व्याख्या करे?
Why the PPC is in concave form? Explain!

A.B.M COLLEGE
GOLMURI, JSR — INTER 2nd YEAR

ANSWER

MODEL SET - 3

ECONOMICS

OBJECTIVE TYPE QUESTIONS / ANS

1. आर्थिक समस्या मुख्य रूप से चयन की समस्या से संबंधित है।

2. उत्पादन संभावना वक्र दो वस्तुओं के विभिन्न संयोगों को बताता है जिनसे अधिकतम उत्पादन प्राप्त हो सके।

3 (a) साधनों की दुर्लभता।
(b) असीमित आवश्यकताएँ।

4. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था है जहाँ उत्पादन के साधनों पर निजी व्यक्तियों या संस्थाओं का अधिकार होता है यह आर्थिक क्रिया के बाजार द्वारा संचालित होती है।

5. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्या —
(a) क्या उत्पादन किया जाय ?
(b) कैसे उत्पादन किया जाय

6. किसी भी अर्थव्यवस्था में संसाधन सीमित होते हैं। अतः यह निर्णय लेना पड़ता है कि किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए। जैसे — उपभोग वस्तु को या पूँजीगत वस्तु को।

7. आर्थिक समस्या उत्पन्न होने का प्रमुख कारण —

(1) आवश्यकताओं का अनन्त होना।

(2) साधनों का सीमित होना।

8. उत्पादन संभावना वक्र ह्रासमान सीमांत नियम पर आधारित है इसलिए मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है।

SHORT TYPE QUESTIONS / ANS.

9. "किसके लिए उत्पादन किया जाए" यह एक आर्थिक समस्या है। एक अर्थव्यवस्था में जो वस्तुएँ या सेवाएँ उत्पादित की जाती है वह राष्ट्रीय आय के रूप में व्यक्त की जाती है। राष्ट्रीय आय का वितरण उत्पादन के साधनों के बीच किस प्रकार किया जाए, जिससे अधिकतम सामाजिक कल्याण की प्राप्ति हो। इसका हल "किसके लिए उत्पादन" किया जाए में मिलता है।

[redacted]

इस समस्या के हल के लिए अर्थव्यवस्था में ऐसी नीति अपनायी जाती है जिससे धन का कुछ हाथों में केन्द्रीकरण न हो, एकाधिकार की स्थिति उत्पन्न न हो तथा अधिकतम सामाजिक कल्याण की प्राप्ति हो सके।

10. उत्पादन संभावना वक्र की मान्यताएँ निम्नलिखित है —

(a) उत्पादन के साधन सीमित एवं स्थिर है।

(b) उपलब्ध साधनों का पूर्ण उपयोग किया जा रहा है।

(c) उत्पादन की तकनीक स्थिर है।

(d) सभी साधन सभी प्रकार की वस्तुओं को बनाने में समान कार्यकुशल नहीं है।

(e) अर्थव्यवस्था में एक समय में केवल दो वस्तुओं के संयोगों का उत्पादन हो रहा है।

12. सीमांत अवसर लागत दर :— एक वस्तु की सीमांत अवसर लागत उसके उत्पादन की मात्रा को बढ़ाने के लिए दूसरे वस्तु की उत्पादन की मात्रा को घोड़ने की दर है।

अर्थात जब एक वस्तु की अतिरिक्त इकाई का उत्पादन बढ़ाया जाता है तो दूसरे वस्तु की कुछ इकाई का उत्पादन घटाना पड़ता है एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन के लिए कितनी इकाई का त्याग किया गया इसकी दर को सीमांत अवसर लागत बताता है।

13. मिश्रित अर्थव्यवस्था :— मिश्रित अर्थव्यवस्था पूंजीवादी अर्थव्यवस्था और समाजवादी अर्थव्यवस्था का मिलाजुला रूप है। इसमें इन दोनों अर्थव्यवस्थाओं की विशेषता पायी जाती है। इस अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाएं कुछ सरकारी नियमों के साथ स्वतंत्र रहती है। निजी क्षेत्र तथा लोक उपक्रम को लाभ मिलता रहती है।

आर्थिक समस्याओं का समाधान बाजार शक्तियों के साथ-साथ सामाजिक कल्याण को ध्यान में रखकर सरकारी शक्तियों के द्वारा किया जाता है।

LONG TYPE QUESTIONS/ ANS

14. बाजार अर्थव्यवस्था (पूँजीवादी अर्थव्यवस्था) तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था में अन्तर

आधार	बाजार अर्थव्यवस्था	समाजवादी अर्थव्यवस्था
(1) स्वामित्व	संसाधनों पर निजी व्यक्तियों का तथा संस्थानों का स्वामित्व होता है।	संसाधनों पर सरकार का स्वामित्व होता है।
(2) आर्थिक स्वतंत्रता	इसमें उत्पादन, उपभोग, एवं चयन की स्वतंत्रता रहती है।	व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभाव होता है।
(3) शक्ति	सभी फैसले बाजार की शक्तियों द्वारा होते है।	सभी फैसले सरकार द्वारा समाज कल्याण को ध्यान में रखकर किए जाते है।
(4) वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य	वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य बाजार की शक्तियों द्वारा होता है।	वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य पर सरकार का नियंत्रण रहता है

15. उत्पादन संभावना वक्र या PPC वह वक्र है जो दो वस्तुओं के उन सभी संयोगों को बताता है जिससे अधिकतम उत्पादन संभव होता है।

चित्र में AB उत्पादन संभावना वक्र है जो x और y वस्तु के विभिन्न संयोगों को दर्शाता है जिससे अधिकतम उत्पादन प्राप्त हो सके।

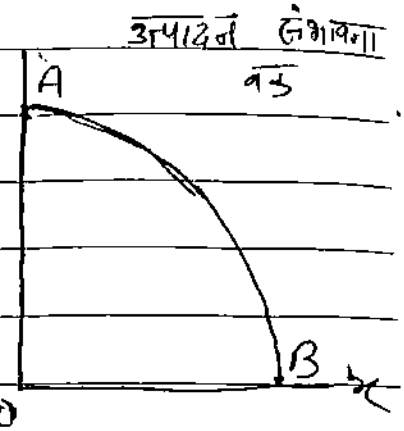

विशेषता - उत्पादन संभावना वक्र दो विशेषता है जो निम्नलिखित है —

(1) उत्पादन संभावना वक्र बायें से दायें नीचे की ओर ढालू होती है।

(2) उत्पादन संभावना वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर होती है।

PPC का नतोदर होना (Concave) — PPC मूल बिन्दु के नतोदर होती है इसका मुख्य कारण यह है कि जैसे-जैसे उत्पादक पहली वस्तु की उत्पादन मात्रा को बढ़ाता जाता है उसे दूसरी वस्तु की उत्पादन मात्रा को घटाना पड़ता है। उत्पादक जैसे-जैसे पहली वस्तु की उत्पादन मात्रा बढ़ाता चला जाता है उसे दूसरी वस्तु की उत्पादन मात्रा को पहले से अधिक

मात्रा में घोड़ना पड़ता है इसका कारण बढ़ती सीमांत अवसर लागत है।

सीमांत अवसर लागत के बढ़ने के निम्न कारण हैं —

(i) उत्पादन संभावना वक्र घटते प्रतिफल नियम पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि जब किसी वस्तु का उत्पादन बढ़ता चला जाता है तब उत्पादन के साधनों की सीमांत उत्पादकता घटती जाती है। फलस्वरूप वस्तु का उत्पादन बढ़ाने के लिए उत्पादन के साधनों की अधिक इकाइयों का प्रयोग करना पड़ता है। परिणाम स्वरूप सीमांत अवसर लागत बढ़ती है और PP वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर होती है।

(ii) अवसर लागत के बढ़ने का दूसरा कारण यह है कि किसी वस्तु का उत्पादन बढ़ाने के लिए दूसरी वस्तु में लगे उत्पादन के कुशल साधनों को पहली वस्तु पर लगाया जाता है। ये साधन इस वस्तु के योग्य नहीं होते अतः सीमांत अवसर लागत बढ़ जाती है और PPC मूल बिन्दु पर नतोदर होती है।

यदि सीमांत अवसर लागत घटती है तो PPC मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर (convex) होगा।